सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 12 | अंक : 135 | जुलाई : 2021

इस अंक में...

5 सम्पादकीय
6 समसामयिकी घटना संग्रह
7 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

15 आर्थिक घटना संग्रह

- डिजिटल वित्तीय समावेशन पर नीति आयोग की रिपोर्ट
- दुनिया में चर्चित हुआ वैक्सीन टूरिज्म
- गौतम अदानी बने एशिया के दूसरे सबसे धनी व्यक्ति
- भारत के हाथ से निकली ईरान में फरजाद-B गैस फील्ड

18 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- 5 राज्यों के चुनाव परिणाम घोषित
- ब्लैक फंगस को कई राज्यों ने महामारी घोषित किया
- पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा 'विधान परिषद्' का गठन
- चार अन्य मसालों के लिए गुणवत्ता मानकों का निर्धारण

22 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- ब्रिक्स रोजगार कार्य समूह की बैठक नई दिल्ली में सम्पन्न
- हिम तेंदुए पर 'विश्व वन्यजीव कोष' की रिपोर्ट
- भारत-यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक वर्चुअली सम्पन्न
- सऊदी अरब नेट जीरो उत्पादक मंच में शामिल

26 खेल खिलाड़ी

- एशिया कप 2021 क्रिकेट प्रतियोगिता को स्थगित किया गया
- नुवान जोयसा पर लगा 6 वर्ष का प्रतिबंध
- राफेल नडाल ने जीता इटैलियन ओपन 2021
- मार्क सेल्बी बने वर्ल्ड स्नूकर चैम्पियन

29 विज्ञान समाचार
31 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
34 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

37 **महिला-असमानता लेख**—विश्व आर्थिक मंच की वैश्विक लैंगिक अन्तराल रिपोर्ट 2021 : भारत नीचे फिसला
39 **औद्योगिक लेख**—सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का डिजिटलीकरण
40 **ऐतिहासिक लेख**—1857 के विद्रोह में महिलाओं की भूमिका
42 **बजटीय विश्लेषण लेख**—समावेशी विकास के साथ सामाजिक क्षेत्र का सशक्तीकरण
44 **ऊर्जा लेख**—नेट जीरो एमिशन एनर्जी सिस्टम
45 **पर्यावरण लेख**—पारिस्थितिकी तंत्र को प्रकृति-आधारित समाधान की आवश्यकता
46 **सामयिक लेख**—खाद्य अपव्यय : एक वैश्विक समस्या
79 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**
81 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-132 का परिणाम**
82 **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

47 एस.एस.सी. कम्बाइंड हायर सेकण्डरी (10+2) लेवल भर्ती परीक्षा, 2019

मॉडल हल

56 आगामी राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (REET) हेतु विशेष हल प्रश्न-पत्र (लेवल-1 : कक्षा 1 से 5 तक)
64 आगामी एस.एस.सी. द्वारा आयोजित मल्टी टॉस्किंग (गैर-तकनीकी) कम्प्यूटर आधारित परीक्षा हेतु विशेष हल-प्रश्न
70 आगामी स्टेट बैंक लिपिकीय संवर्ग (प्रारम्भिक) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न-पत्र

कोविड-19 के कारण सक्सेस मिरर का जून 2021 संस्करण बाजार में उपलब्ध नहीं किया जा सका था. यद्यपि इस अंक का डिजिटल संस्करण लिंक https://bit.ly/3yS2QN8 पर उपलब्ध है.

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

- सम्पादकीय ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005 — फोन–2531101, 2530966
- दिल्ली ऑफिस : 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002 — फोन–011-23251844, 43259035
- पटना ऑफिस : पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004 — मो–09334137572
- हैदराबाद ऑफिस : 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (आन्ध्रा बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना) — मो–09391487283
- हल्द्वानी ऑफिस : 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) — मो–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

व्यक्तित्व को संश्लिष्ट बनाइए

''गुरु समान रूप से प्राज्ञ तथा जड़ में विद्या का वितरण करता है. वह उन दोनों की ज्ञान-शक्ति को न बढ़ाता है, न घटाता है. फिर भी परिणाम में बड़ा अन्तर रह जाता है. स्वच्छ मणि जिस प्रकार प्रतिबिम्ब के ग्रहण में समर्थ होती है वैसी मिट्टी आदि नहीं.''

–भवभूति

विश्व सुन्दरी सुष्मिता सेन ने आगरा में विश्व-विश्रुत ताजमहल का अवलोकन करते हुए एक पत्रकार से कहा कि बाह्य सौन्दर्य और आन्तरिक सौन्दर्य मिलकर व्यक्ति को वास्तविक सौन्दर्य प्रदान करते हैं. सौन्दर्य की देवी के उक्त कथन के अतिरिक्त सौन्दर्य प्रतियोगिताओं के बारे में जानकारी देते हुए समाचार-पत्र भी कई बार लिख चुके हैं कि विश्व सुंदरी के गौरव का प्रतीक किरीट उसी महिला को प्रदान किया जाता है, जो शारीरिक सौन्दर्य के मानदण्ड के साथ मानसिक विकास की कसौटी पर भी खरी उतरती है. स्पष्ट है कि व्यक्तित्व को पूर्ण बनाने में बाह्य आकृति विधान एवं आन्तरिक मानसिक विकास समान रूप से योगदान करते हैं. अन्यथा व्यक्ति का व्यक्तित्व अपंग अथवा अर्द्ध-विकसित बना रहता है. बाह्य सौंदर्य को लक्ष्य करके आन्तरिक गुणों की परिकल्पना करने वाली सामुद्रिक की यह लोकोक्ति अत्यन्त लोकप्रिय बन गई है– यत्राकृति तत्र गुणा वसन्ति अर्थात् जहाँ सुन्दर आकृति होती है, वहाँ सुन्दर गुणों का निवास होता है. यदि ऐसा नहीं है, तो कबीर जैसे रससिद्ध एवं अनुभव-सिद्ध कवि हमको यह शिक्षा क्यों देते कि मात्र बाह्य आकर्षण का धनी व्यक्ति सेमर के फूल की भाँति होता है अथवा गुणहीन व्यक्ति जल रहित कुएं के समान होता है जिसको समाज अंधा कुआँ कहता है और यदि दैवयोग से सौंदर्यशाली व्यक्तित्व में दुर्गुणों का निवास हो जाए, तब तो बस गोस्वामी तुलसीदास की इस पंक्ति में ही उसका रूप उकेर दिया जाता है–'विषरस भरा कनक घट जैसे।'

बाह्य सौन्दर्य और आन्तरिक सौन्दर्य के समन्वय में पूर्ण व्यक्तित्व का दर्शन करने वाले दार्शनिक भक्त वैष्णव भगवान में अनन्त सौन्दर्य, अनन्त शक्ति और अनन्त शील की त्रिवेणी का दर्शन करते आए हैं. शिक्षा-शास्त्रियों की मान्यता है कि शिक्षा ऐसी हो जो बालक के शरीर को शक्तिशाली बनाए, मस्तिष्क को स्वस्थ चिन्तन में प्रवृत्त करे तथा हृदय को संवेदनशील एवं सम्बन्ध-भावना के प्रति जागरूक बनाए. भागवत-कार ने भी प्रकारान्तर से यही बात कही है–''केवल गुरु से ही नहीं, अपने मन, बुद्धि एवं चिन्तन से भी शिक्षा ग्रहण करो.'' चिन्तक एवं मनीषी तो यहाँ तक कहते हैं कि जगत् की प्रत्येक वस्तु में कम-से-कम अपना एक विशिष्ट गुण होता है. हमें चाहिए कि हम प्रत्येक वस्तु में निहित विशिष्ट गुण को खोजें और ग्रहण करें. विद्यार्थी को लक्षित करते हुए कहा गया है–

''काक चेष्टा बको ध्यानम, श्वान निद्रा
तथैव च।
अल्पहारी गृह त्यागी, विद्यार्थी पंचलक्षणम।।